[This question paper contains 8 printed pages.]

2453 *Your Roll No.* ....

LL.B. / I Term **F**

Paper LB-103 : LAW OF TORTS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :- इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer **Five** *Questions.*
Answer any **Four** *Questions from Part A and* **One** *Question from Part B.*

पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
भाग *A* से किन्हीं **चार** प्रश्नों के और भाग *B* से **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।

PART A (भाग A)

1. (a) "Tortious liability arises from the breach of a duty primarily fixed by law; this duty is towards persons generally and its breach is redressible by an action for unliquidated damages." Write a brief critical note on this definition.

(b) Damage in tort is generally compensated by damages to an aggrieved party. How can one find out whether 'damage' as claimed by a plaintiff amounts to 'legal damage' or not?

(क) "अपकृत्य दायित्व विधि द्वारा प्रमुखत: नियत कर्त्तव्य के भंग से उदभूत होता है; सामान्यत: यह कर्त्तव्य व्यक्तियों के प्रति है तथा इसका भंग अपरिनिर्धारित नुकसानी हेतु किसी कृत्य द्वारा प्रतितोष्य है।" इस परिभाषा पर एक संक्षिप्त समीक्षात्मक टिप्पणी लिखिए।

(ख) अपकृत्य में क्षति का सामान्यत: व्यथित पक्षकार को नुकसानी द्वारा प्रतिकर किया जाता है। कोई कैसे पता लगा सकता है क्या वादी द्वारा बताई गई क्षति 'विधिक क्षति' जैसी है या नहीं।

2. (a) Write a note on the doctrine of consent as a defence in an action for a tort.

(b) 'P' was injured when an elevator he entered plunged several floors and stopped abruptly. Jain Elevator Corporation (JEC) had built the elevator

and was also responsible for maintaining of 'P' sues JEC. During the legal proceedings, JEC claims that P's complaint should be dismissed because he has never proved or for that matter even offered a theory as to why the elevator functioned incorrectly. Therefore, there is no evidence that they were at fault. Decide citing appropriate legal principles and case law.

(क) अपकृत्य हेतु अनुयोग में प्रतिरक्षा के तौर पर सहमति के सिद्धान्त पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ख) P चोटिल हो गया जब एक एक एलीवेटर जिसमें वह घुसा था कई मंजिल नीचे गिर गया और अचानक रूक गया। जैन एलीवेटर कार्पोरेशन ने उस एलीवेटर का निर्माण किया था और वे ही उसके रख-रखाव के जिम्मेवार थे। P ने जैन एलीवेटर पर वाद फाइल किया। विधिक कार्यवाही के दौरान जैन एलीवेटर कार्पोरेशन ने दावा किया कि P की शिकयत खारिज की जानी चाहिए क्योंकि उसने यह कभी साबित नही किया कि एलीवेटर ने ठीक कार्य क्यों नहीं किया या कोई मत व्यक्त नहीं किया। अत: ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है कि दोष उनका है। समुचित विधिक सिद्धान्तों तथा निर्णय विधि का हवाला देते हुए विनिश्चय कीजिए।

3. (a) Write a note on the defences available in the tort of defamation.

(b) 'X', a worker was injured at his work at a factory owned by M/s T & Co. when a cover over a cauldron of molten hot liquid fell in and caused an explosion, propelling the liquid toward 'X'. Taking into account the possibility of such accidents, the Company had constructed some protective walls around the cauldron. It was not known that the cover would explode when it fell in the liquid. 'X' moves the court for damages for the injury caused to him. Decide citing relevant case laws.

(क) मानहानि अपकृत्य में उपलब्ध प्रतिरक्षा पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ख) एक कर्मकार X को मैसर्स टी एंड कम्पनी के स्वामित्व वाली फैक्ट्री में अपना कार्य करते क्षति पहुंची जब एक कवर ओवर एक कॉलड्रॉन आफ मोल्टन हौट लिकिव्ड नीचे गिर गया, उससे विस्फोट हो गया तथा लिक्विड का नोदन X की ओर हो गया। ऐसी दुर्घटना की संभावना को ध्यान में रखते कंपनी ने कौल्ड्रोन के चारों ओर कुछ बचावी दीवारें बना दी थीं। यह जानकारी नहीं थी कि कवर के लिक्विड में गिरने पर विस्फोट हो जाएगा। X ने उसको हुई क्षति के लिए नुकसानी हेतु न्यायालय तक पहुंच की। सुसंगत निर्णय विधि का हवाला देते हुए विनिश्चय कीजिए।

4. To what extent is the Government of India responsible for the tortuous acts committed by its servants? Trace the development of the law in this regard with the help of important judicial decisions.

भारत सरकार अपने सेवकों द्वारा किए गए अपकृत्यों के लिए किस सीमा तक उत्तरदायी है? महत्वपूर्ण न्यायिक विनिश्चियों की सहायता से इस बारे में विधि के विकास का उल्लेख कीजिए।

5. "A rule specifying strict liability in tort makes a person legally responsible for the damage and loss caused by his/her acts and omissions regardless of culpability. So also, under strict liability, there is no requirement to prove fault, negligence or intention." Elucidate.

Explain the exceptions available to a tortfeasor in strict liability cases with supporting case law.

"अपकृत्य में कड़े दायित्व को विनिर्दिष्ट करने वाला नियम किसी व्यक्ति को उसके कृत्यों तथा अकृत्यों द्वारा कारित क्षति तथा हानि हेतु सदोषता पर ध्यान दिए बिना विधिक उत्तरदायी बनाता है।" इस प्रकार कड़े दायित्व के अन्तर्गत दोष, अपेक्षा या इरादा साबित करने की भी कोई अपेक्षा नहीं होती है।" व्याख्या कीजिए।

कड़े दायित्व वाले मामलों में अपकृत्यकर्ता को उपलब्ध अपवादों की व्याख्या समर्थक निर्णय विधि के साथ कीजिए।

6. (a) "The crude view that the law should take cognizance only of physical injury resulting from actual impact has been discarded, and it is recognised that an action will lie for injury by shock sustained through the medium of the eye or the ear without direct contact." Elucidate with proper case law.

(b) Explain the law on recovery of damages by Primary and Secondary victims in nervous shock cases with the help of decided cases.

(क) "इस अनगढ़ दृष्टिकोण को कि केवल वास्तविक आघात के परिणामत: हुई शारीरिक क्षति का विधि को संज्ञान लेना चाहिए, अस्वीकार कर दिया गया है ओर इसको मान्यता प्रदान की गई है कि प्रत्यक्ष सम्पर्क के बिना आँख या कान के माध्यम के द्वारा पहुंची आघातजनित क्षति हेतु अनुयोग चलाया जाएगा।" उचित निर्णय विधि के साथ खुलासा कीजिए।

(ख) विनिश्चित केसों की सहायता से तंत्रिकाघात केसों में प्राथमिक और द्वितीयक पीड़ितों द्वारा नुकसानी की वसूली पर विधि को सुस्पष्ट कीजिए।

PART B (भाग B)

7\. (a) Who is a consumer under the Consumer Protection Act, 1986?

(b) "....a medical practitioner was not to be held liable simply because things went wrong from a mischance or misadventure or through an error of judgment in choosing one reasonable course of treatment in preference of another." Elucidate this observation of Lord Denning with respect to medical negligence cases.

(क) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के अन्तर्गत उपभोक्ता कौन होता है?

(ख) "...... किसी चिकित्सा व्यवसायी को दायित्वाधीन नहीं ठहराया जाए केवल इसीलिए कि उपचार के एक युक्तियुक्त अनुक्रम को अन्य अनुक्रम पर चुनने में दुर्दैव या दुर्घटना से अथवा निर्णय की त्रुटि से बात बिगड़ गई।" लार्ड डेनिंग की इस टिप्पणी की चिकित्सीय उपेक्षा के केसों के बारे में व्याख्या कीजिए।

8. (a) Write a note on 'the definition service' under the Consumer Protection Act, 1986

(b) Write a brief note on the decision of the Supreme Court in *Indian Medical Association* v. *V.P. Shantha* (1995) 6 SCC 651, which settled the dispute regarding applicability of the Act to persons engaged in medical profession either as private practitioners or as Government Doctors working in Hospitals or Government Dispensaries.

(क) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के अन्तर्गत 'परिभाषा सेवा' पर टिप्पणी लिखिए।

(ख) उच्चतम न्यायालय के **इंडियन मेडिकल एसोसिएशन** बनाम **वी. पी. शान्ता** (1995) 6 एससीसी 651 केस के विनिश्चय पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए जिससे या तो प्राइवेट प्रैक्टिसनरों के रूप

में अथवा अस्पतालों या सरकारी औषधालयों में कार्यरत सरकारी डाक्टरों के रूप में चिकित्सा व्यवसाय में लगे व्यक्तियों पर इस अधिनियम की अनुप्रयोज्यता के बारे में हुआ विवाद का समाधान हुआ था।